भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 3162

उत्तर देने की तारीख: गुरुवार, 19 मार्च, 2026

28 फाल्गुन,1947 (शक)

आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल का विकास

3162. **श्रीमती राजाथी**:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2026 के दौरान नव-प्रस्तावित डीईएसएच (उत्खनन स्थलों और विरासत परिसरों का विकास) योजना के तहत इस स्थल के विकास के लिए कितना बजटीय आवंटन किया गया;

(ग) अत्याधुनिक स्थल-स्थित संग्रहालय, प्रस्तावित क्यूरेटेड वॉकवे और अन्य अवसंरचनाओं के निर्माण को पूरा करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है; और

(घ) क्या वर्तमान में विदेशी संग्रहालयों में रखे गए वहां से उत्खनित लगभग 5,000 पुरावशेषों को पुनः प्राप्त करने और स्वदेश वापस लाने के लिए कोई विशिष्ट उपाय किए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): वर्ष 2020-21 से वर्ष 2025-26 के दौरान, आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(राशि रुपये में)

वित्तीय वर्ष	**आवंटन**	**व्यय**
2020-21	14,762	14,762
2021-22	55,88,964	53,32,862
2022-23	84,06,206	84,06,171
2023-24	1,66,19,863	1,66,19,727
2024-25	47,03,292	23,60,927
2025-26 **(16.03.2026 तक)**	61,94,554	37,11,955

(ख): उक्त परियोजना के विकास और बजट के आवंटन के लिए विस्तृत योजना बनाई जा रही है।

(ग): विस्तृत योजना के आधार पर समय-सीमा निर्धारित की जाएगी।

(घ): विदेशी संग्रहालयों और संग्रहों में भारतीय कलाकृतियों का राजनयिक और कानूनी साधनों के माध्यम से पहचान करने और उनको वापस लाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

*****